1. झूला

अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।

झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता-पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मज़ा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

Scanned with CamScanner

झूल रही नीचे की धरती,
उड़ चल, उड़ चल,
उड़ चल, उड़ चल।
बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,
उड़कर मैं लूटूँ दल-बादल।

झ झ झ

19 April 2021

कविता - 1

झूला

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न :1 झूला कहाँ डालते हैं?

उत्तर :- झूला पेड़ पर डालते हैं।

प्रश्न :2 बच्चा किसको झूला डालने के लिए कह रहा है?

उत्तर :- बच्चा अम्मा को झूला डालने के लिए कह रहा है।

प्रश्न :3 बच्चा क्या छूना चाहता है?

उत्तर :- बच्चा आसमान को छूना चाहता है।

प्रश्न :4 किन - किन चीज़ों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हैं?

उत्तर :- टायर, फाटक, डाली और पैरों पर झूल सकते हैं।

Scanned with CamScanner

Date : / /
Page No.

19

प्रश्न 5 झूले से सुहानी को क्या-क्या दिख रही होगी?

उत्तर:- झूले से सुहानी को बच्चे, कुत्ता, फूल, तितली, गिलहरी और खरगोश आदि चीजें दिख रही होगी।

Scanned with CamScanner

मिलाओ

ठेला

झूला

पेड़

गठरी

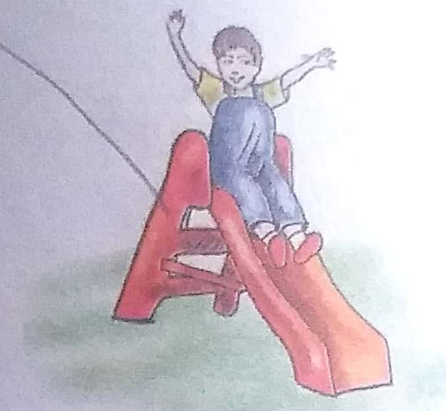

खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।

.....पेड़..... के पीछे

कमला मेज के नीचे

अमनचारपाईके नीचे

गगन झाड़ी के पीछे

Scanned with CamScanner

पकड़न - पकड़ाई

छ ई

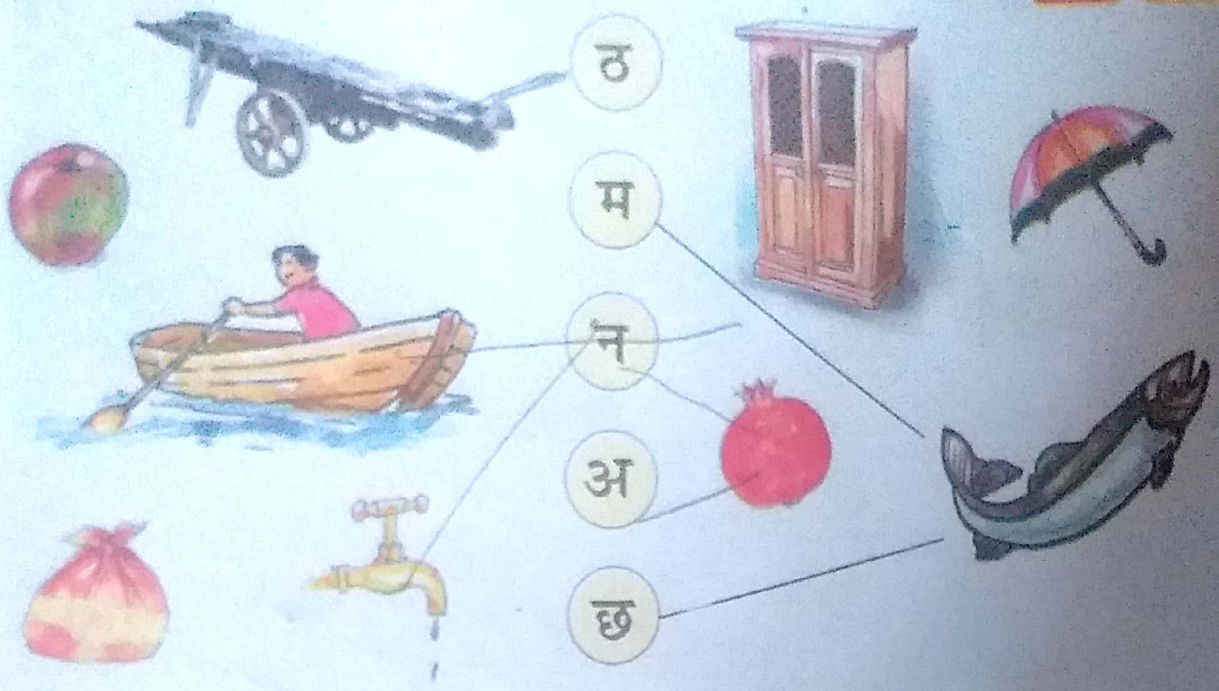

ऊपर बनी चीज़ों के नाम उन अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
ठेला	मछली	मछली	अनार	नल
गठरी	छतरी	अलमारी	अलमारी	गाव
				अनार

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज़ का नाम भी तुमने दो बार लिखा है?

हाँ हमने अनार और अलमारी दो बार लिखा

Scanned with CamScanner

झूले ही झूले

बताओ, इनमें किन चीज़ों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो?

टायर

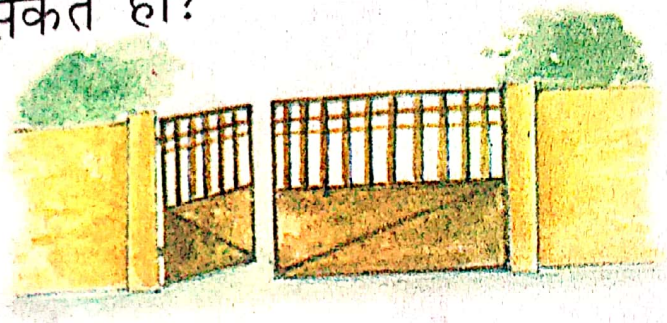

फाटक

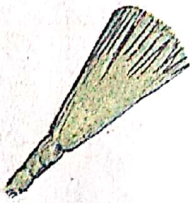

झाड़ू

दरी

डाली

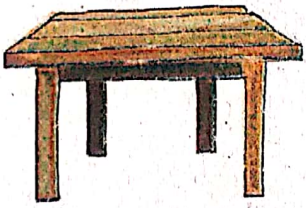

मेज़

पैर वाला झूला

अलमारी

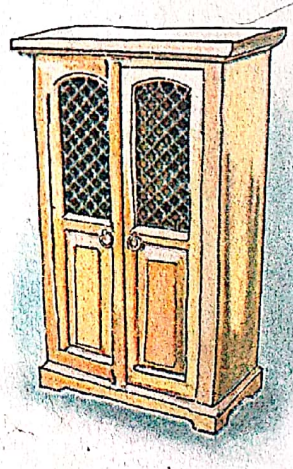

मुझे ....टायर.... पर झूलने में मज़ा आता है।

मुझे ....डाली.... पर झूलने में डर लगता है।

मुझे ....फाटक.... पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

Scanned with CamScanner

तुम इन झूलों पर भी झूले होगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?

मेला स्कूल पार्क
घर का आँगन बगीचा

घर के आँगन में

बगीचा

मेले में

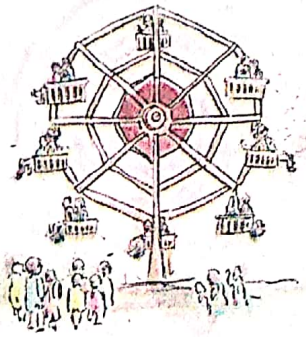

मेले में

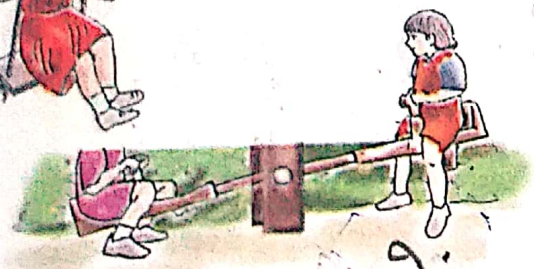

स्कूल में

पार्क में

झूले से सुहानी को क्या-क्या दिख रहा होगा?

Scanned with CamScanner